Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 0308

PAPER – II

PHILOSOPHY

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PHILOSOPHY

PAPER – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

1. The havya of a yajña brings benefit to :

(A) Devatā (B) Ṛtvik

(C) Consumer of the havya (D) None of the above

2. Mind–body interactionism is a doctrine propounded by :

(A) Locke (B) Spinoza (C) Descartes (D) Berkeley

3. The concept of '*Unmoved mover*' is propounded by :

(A) Plato (B) Socrates (C) St. Augustine (D) Aristotle

4. Pratityasamut pāda states that :

(A) Whatever is, is momentary

(B) There is no permanent self

(C) Some elements do not originate

(D) Whatever originates, originates depending on some conditions

5. The father of western logic is :

(A) Plato (B) Pythagoras (C) Aristotle (D) Xenophanes

6. Sattātraividhyavāda is upheld by :

(A) Śaṅkara (B) Rāmānuja (C) Madhva (D) Nimbārka

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यज्ञ का हव्य किसे लाभ पहुँचाता है?

(A) देवता (B) ऋत्विक्

(C) हव्य का उपभोक्ता (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. मन-शरीर के क्रियाप्रतिक्रियावाद के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया गया है :

(A) लाक द्वारा (B) स्पिनोजा द्वारा (C) देकार्त द्वारा (D) बर्कले द्वारा

3. 'अप्रवर्तित प्रवर्त्तक' की अवधारणा का प्रतिपादन किया गया है :

(A) प्लेटो द्वारा (B) सुकरात द्वारा (C) सन्त अगस्टाइन द्वारा (D) अरस्तू द्वारा

4. प्रतीत्यसमुत्पाद के अनुसार :

(A) जो कुछ भी है, वो क्षणिक है।

(B) कोई शाश्वत आत्मा नहीं है।

(C) कुछ तत्व का उद्‌भव नहीं होता है।

(D) जो कुछ का उत्पन्न होता है वह, कारणों पर आश्रित होकर उत्पन्न होता है।

5. पश्चिमी तर्कशास्त्र का पिता कौन है?

(A) प्लेटो (B) पाइथागोरस (C) अरस्तू (D) ज़नोफेनिस

6. सत्तात्रैविध्यवाद का समर्थन कौन करते थे?

(A) शंकर (B) रामानुज (C) मध्व (D) निम्बार्क

7. Parataḥprāmāṇyavāda claims that :

(A) Prāmāṇya cannot be ascertained at all by any pramāṇa.

(B) Prāmāṇya is self–ascertained.

(C) The causal conditions that produce pramā produce its prāmāṇya also.

(D) The causal conditions that produce pramā do not produce its prāmāṇya.

8. Pantheism is a theory which advocates that :

(A) God is different from the world

(B) God is same as world

(C) God is both identical with and different from world

(D) God is indifferent to the world

9. The statement 'vahninā siñcati' lacks the condition of :

(A) Ākāinkṣā (B) Yogyatā (C) Sannidhi (D) Tātparya

10. According to the Naiyāyikas what type of knowledge is atīndriya ?

(A) Savikalpaka pratyakṣa (B) Nirvikalpaka pratyakṣa

(C) S'ābdabodha (D) Anumiti

11. Perceiving muddy water in the over–flowing river the inference of previous rain is an instance of :

(A) S'eṣavat anumāna (B) Pūrvavat anumāna

(C) Neither (A) nor (B) (D) Upamāna

12. Who does ***not*** accept nirguṇa Brahman ?

(A) S'ankara (B) Madhva (C) Upaniṣad (D) Sures'vara

13. According to the vais'eṣikas ghaṭābhāva resides on the ground by the relation of :

(A) Samavāya (B) Saṁyoga

(C) Svarūpa (D) None of the above

7. परत: प्रमाण्यवाद दावा करता है कि :

(A) प्रामाण्य किसी प्रमाण द्वारा निश्चित बिल्कुल नहीं किया जा सकता है।

(B) प्रामाण्य स्वत: सिद्ध है।

(C) कारणात्मक दशाएं जो प्रमा उत्पन्न करती हैं वो उसका प्रामाण्य भी उत्पन्न करती हैं।

(D) कारणात्मक दशाएं जो प्रमा उत्पन्न करती हैं वो उसके प्रामाण्य को नहीं उत्पन्न करती हैं।

8. सर्वेश्वरवाद सिद्धान्त वह है जो यह प्रतिपादित करता है कि :

(A) ईश्वर जगत से भिन्न है।

(B) ईश्वर जगत के समान है।

(C) ईश्वर जगत से भिन्न और अभिन्न दोनों है।

(D) ईश्वर जगत के प्रति उदासीन है।

9. 'वहिनना सिंचति' के अभिकथन में निम्न स्थिति की कमी है :

(A) आकांक्षा (B) योग्यता (C) सन्निधि (D) तात्पर्य

10. नैयायिकों के अनुसार अतीन्द्रिय किस प्रकार का ज्ञान है?

(A) सविकल्पक प्रत्यक्ष (B) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष

(C) शाब्दबोध (D) अनुमिति

11. बहने वाली नदी में कीचड़ वाला जल देखने पर पूर्ववर्ती वर्षा के अनुमान का उदाहरण प्रस्तुत करता है :

(A) शेषवत् अनुमान का (B) पूर्ववत् अनुमान का

(C) न तो (A) और न (B) (D) उपमान का

12. निर्गुण ब्रह्मन् को कौन नहीं प्रतिपादित करता?

(A) शंकर (B) मध्व (C) उपनिषद् (D) सुरेश्वर

13. वैशेषिक के अनुसार भूतल पर घटाभाव निम्न सम्बन्ध द्वारा स्थापित होता है :

(A) समवाय (B) संयोग

(C) स्वरूप (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

14. Which of the following theory does Kumārila favour ?

(A) Ākṛtiś'aktivāda (B) Vyaktiś'aktivāda

(C) Dravyaś'aktivāda (D) Jātiś'aktivāda

15. Who has propounded for the first time the law of sufficient reason ?

(A) Aristotle (B) Mill (C) Leibniz (D) Descartes

16. Which pair among the following possesses atomic magnitude according to the Vaiś'eṣikas ?

(A) Mind and body (B) Mind and soul

(C) Mind and atoms (D) Mind and akshara

17. The view that God is only the efficient cause of the world is propounded by :

(A) Rāmānuja (B) Saṅkara (C) Madhva (D) Vallabha

18. Samavāya relating a ghaṭa with ghaṭatva relates itself with the ghaṭa by the relation of :

(A) Saṁyoga (B) Svarūpa

(C) Samavāya (D) None of the above

19. A bundle of threads is qualitatively different from a piece of cloth is claimed by :

(A) Satkāryavāda (B) Asatkāryavāda

(C) Pratityasamutpāda (D) None of the above

20. The so-called inferential knowledge that 'fire is cold' is vitiated by the fallacy of :

(A) Savyabhicāra (B) Bādhita (C) Viruddha (D) Asiddha

21. The founder of Neo-Buddhism :

(A) Gandhi (B) Tagore

(C) Radhakrishnan (D) Ambedkar

14. निम्नलिखित सिद्धान्तों में से, कुमारिल किस का समर्थन करते है?

(A) आकृतिशक्तिवाद (B) व्यक्तिशक्तिवाद

(C) द्रव्यशक्तिवाद (D) जातिशक्तिवाद

15. पर्याप्त कारणता के सिद्धान्त का प्रथम बार किसने प्रतिपादन किया?

(A) अरस्तू (B) मिल (C) लाइबनीज (D) देकार्त

16. वैशेसिकों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा अणु परिमाण रखता है?

(A) मनस् और शरीर (B) मनस् और आत्मा

(C) मनस् और परमाणु (D) मनस् और अक्षर

17. यह दृष्टिकोण कि जगत का निमित्त कारण केवल ईश्वर है, किसने प्रतिपादित किया?

(A) रामानुज (B) शंकर (C) मध्व (D) वल्लभ

18. समवाय, घट को घटत्व के साथ सम्बन्धित करते हुए अपने को घट से निम्न सम्बन्ध द्वारा सम्बन्धित करता है :

(A) संयोग (B) स्वरूप

(C) समवाय (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

19. धागों का बण्डल कपड़े के टुकड़े से गुणात्मक रूप से भिन्न होता है, यह किसने दावा किया?

(A) सत्कार्यवाद (B) असत्कार्यवाद

(C) प्रतीत्यसमुत्पाद (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

20. तथाकथित अनुमिति ज्ञान कि 'आग शीतल है' किस हेत्वाभास द्वारा संदूषित की गई है?

(A) सव्यभिचार (B) बाधित (C) विरुद्ध (D) असिद्ध

21. नव-बौद्ध दर्शन के संस्थापक कौन हैं?

(A) गांधी (B) टैगोर

(C) राधाकृष्णन् (D) अम्बेडकर

22. Brahman is self–luminous; so māyā cannot conceal Brahman is proved by :

(A) Tirodhānānupapatti (B) Āś'rayānupapatti

(C) Nivartakānupapatti (D) Nivartyānupapatti

23. The author of the 'City of God' is :

(A) Democritus (B) Pythagoras

(C) St. Augustine (D) Parmenides

24. Apeiron is the fundamental source of the universe according to :

(A) Plato (B) Anaximenes (C) Anaximander (D) Aristotle

25. According to Kant :

(A) Only phenomenon can be known

(B) Only Noumenon can be known

(C) Both Phenomenon and Noumenon can be known

(D) None can be known

26. The Naiyāyikas upheld the theory of error known as :

(A) Asatkhyātivāda (B) Satkhyātivada

(C) Anyathākhyātivāda (D) Akhyātivāda

27. 'Beyond Violence' is written by :

(A) Radhakrishnan (B) Gandhi

(C) J. Krishnamurti (D) Sri Aurobindo

22. ब्रह्म स्वयं-प्रकाश होता है; अत: माया ब्रह्म को छिपा नहीं सकती है। यह किसके द्वारा प्रमाणित किया गया?

(A) तिरोधानानुपपत्ति (B) आश्रयानुपपत्ति

(C) निवर्तकानुपपत्ति (D) निवर्त्यानुपपत्ति

23. 'सिटी ऑफ गॉड' का लेखक कौन है?

(A) डेमोक्राइटस (B) पाइथागोरस

(C) सेंट अगस्टीन (D) पार्मिनाइडिज

24. इनके अनुसार एपियरॉन ब्रह्माण्ड का मूलभूत स्रोत है :

(A) प्लेटो (B) एनेकज़ीमेनीज (C) एनेकजीमेंडर (D) अरस्तू

25. काण्ट के अनुसार :

(A) केवल दृश्यप्रपंच को जाना जा सकता है।

(B) केवल पारमार्थिक को जाना जा सकता है।

(C) दृश्यप्रपंच और पारमार्थिक दोनों को जाना जा सकता है।

(D) किसी को भी नहीं जाना जा सकता है।

26. नैयायिकों का ख्याति सिद्धान्त इस नाम से जाना जाता है :

(A) असत्ख्यातिवाद (B) सत्ख्यातिवाद

(C) अन्यथाख्यातिवाद (D) अख्यातिवाद

27. 'बियॉन्ड वॉयलेंस' किसने लिखा है?

(A) राधाकृष्णन् (B) गाँधी

(C) जे. कृष्णमूर्ति (D) श्री अरविंद

28. Intuition and Intellect are complementary to each other according to :

(A) Bergson (B) Kant

(C) Radhakrishnan (D) Ambedkar

29. 'Percepts without concepts are blind, concepts without percepts are empty' according to :

(A) Plato (B) Descartes (C) Leibniz (D) Kant

30. The discussion of the four states of ātman is found in :

(A) Śvetāśvataropanisad (B) Muṇḍakopanisad

(C) Māṇḍūkyopanisad (D) Taittirīyopanisad

31. Match the ***List-I*** with ***List-II*** and choose the correct answer from the code given below :

List-I	***List-II***
(a) Nyāyasūtra	(i) Bādarāyaṇa
(b) Nyāyabindu	(ii) Nāgārjuna
(c) Madhyamakakārika	(iii) Gautama
(d) Brahmasūtra	(iv) Dharmakīrti

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

28. अंत: अनुभूति और प्रज्ञा एक-दूसरे के पूरक है :

(A) बर्गसन (B) काण्ट

(C) राधाकृष्णन् (D) अम्बेडकर

29. किसके अनुसार 'इंद्रिय संवेदनाओं के बिना बुद्धि विकल्प पंगु हैं, बुद्धि विकल्पों के बिना इन्द्रिय संवेदनायें अंध हैं''?

(A) प्लेटो (B) डेकार्ट (C) लाइब्निज़ (D) कान्ट

30. आत्मा की चार अवस्थाओं का विवेचन किस उपनिषद् में हुआ है?

(A) श्वेताश्वतरोपनिषद् (B) मुण्डकोपनिषद्

(C) माण्डक्योपनिषद् (D) तैतिरीयोपनिषद्

31. ***सूची-I*** का ***सूची-II*** से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों में से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची-I		***सूची-II***
(a)	न्यायसूत्र	(i)	बादरायण
(b)	न्यायबिंदु	(ii)	नागार्जुन
(c)	मध्यमककारिका	(iii)	गौतम
(d)	ब्रह्मसूत्र	(iv)	धर्मकीर्ति

कूट संकेत :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

32. Match the ***List–I*** with ***List–II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List–I ***(Thinkers)***		***List–II*** ***(Theories)***
(a)	Spinoza	(i)	Intellectual love of God
(b)	Leibnitz	(ii)	Unmoved mover
(c)	Aristotle	(iii)	Transcendental unity of apperception
(d)	Kant	(iv)	Pre–established Harmony

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

33. Match the ***List–I*** with ***List–II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List–I ***(Works)***		***List–II*** ***(Theories)***
(a)	Nyāya	(i)	Anirvacanīyakhyāti
(b)	Prabhākara	(ii)	Akhyāti
(c)	Śaṃkara	(iii)	Viparītakhyāti
(d)	Kumārila	(iv)	Anyathākhyāti

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

32. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची-I *(विचारक)*		*सूची-II* *(सिद्धान्त)*
(a)	स्पिनोजा	(i)	ईश्वर का बौद्धिक प्रेम
(b)	लाइबनीज	(ii)	अप्रवर्तित प्रवर्त्तक
(c)	अरस्तू	(iii)	प्रागनुभविक अहं प्रत्यय एकत्व
(d)	काण्ट	(iv)	पूर्वस्थापित सामंजस्य

कूट :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

33. *सूची-I* का *सूची-II* से सुमेलित करें और नीचे दिये कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची-I *(कृति)*		*सूची-II* *(सिद्धान्त)*
(a)	न्याय	(i)	अनिर्वचनीयख्याति
(b)	प्रभाकर	(ii)	अख्याति
(c)	शंकर	(iii)	विपरीतख्याति
(d)	कुमारिल	(iv)	अन्यथाख्याति

कूट :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

34. Match the ***List–I*** with ***List–II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List–I ***(Theories)***		***List–II*** ***(Thinkers)***
(a)	Idealism	(i)	G.E. Moore
(b)	Realism	(ii)	William James
(c)	Pragmatism	(iii)	Berkeley
(d)	Subjective Idealism	(iv)	Hegel

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

35. Match the ***List–I*** with ***List–II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List–I ***(Thinkers)***		***List–II*** ***(Theories)***
(a)	Sri Aurobindo	(i)	The Human Cycle
(b)	Radhakrishnan	(ii)	My Experiments with Truth
(c)	Gandhi	(iii)	Tarkasangraha
(d)	Annambhaṭṭa	(iv)	The Hindu View of Life

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

34. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों में से उत्तर का चयन करें :

	सूची-I *(सिद्धान्त)*		*सूची-II* *(चिन्तक)*
(a)	आदर्शवाद	(i)	जी.ई. मूर
(b)	वास्तववाद	(ii)	विलियम जेम्स
(c)	व्यवहारवाद	(iii)	बर्कले
(d)	आत्मनिष्ठ आदर्शवाद	(iv)	हेगल

कूट संकेत :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

35. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची-I *(चिन्तक)*		*सूची-II* *(सिद्धान्त)*
(a)	श्री अरविन्द	(i)	दी ह्यूमन साइकिल
(b)	राधाकृष्णन्	(ii)	माई एक्सपेरिमेंटस् वीद ट्रूथ
(c)	गाँधी	(iii)	तर्कसंग्रह
(d)	अन्नंभट्ट	(iv)	दी हिन्दू व्यू ऑफ लाईफ

कूट संकेत :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

36. Match the ***List–I*** with ***List–II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List–I ***(Theories)***		***List–II*** ***(Thinkers)***
(a)	The identity of indiscernibles	(i)	Russell
(b)	Category mistake	(ii)	Leibnitz
(c)	Logical atomism	(iii)	Husserl
(d)	The phenomenological method	(iv)	Gilbert Ryle

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

37. Match the ***List–I*** with ***List–II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List–I ***(Thinker)***		***List–II*** ***(Theories)***
(a)	Vivekananda	(i)	Spiritual evolution
(b)	Sri Aurobindo	(ii)	Practical Vedanta
(c)	Tagore	(iii)	Sarvodaya
(d)	Gandhi	(iv)	Aesthetic Mysticism

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

36. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों में से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची-I *(सिद्धान्त)*		*सूची-II* *(चिन्तक)*
(a)	अविभेधों का तादात्म्य	(i)	रसल
(b)	कैटीगरी मिस्टेक	(ii)	लाइब्निट्ज़
(c)	तार्किक परमाणुवाद	(iii)	हुसरल
(d)	दृश्यप्रपंचशास्त्रीय विधि (फेनोमिनेलोजिकल मेथड)	(iv)	गिलबर्ट राइल

कूट संकेत :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

37. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची-I **(चिन्तक)**		*सूची-II* **(सिद्धान्त)**
(a)	विवेकानंद	(i)	आध्यात्मिक विकास
(b)	श्री अरविंद	(ii)	व्यावहारिक वेदान्त
(c)	टैगोर	(iii)	सर्वोदय
(d)	गाँधी	(iv)	सौन्दर्यगत अनुभाव

कूट संकेत :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Instructions :

The following items 38–42 consist of two statements one labelled the ***Assertion (A)*** *and the other labelled the* ***Reason (R).*** *You are to examine these two statements carefully and decide if the Assertion A and Reason R are individually true and if so whether the Reason is a correct explanation of Assertion. Select your answers to these items using the codes given below and mark your answer sheet accordingly.*

Codes :

(A) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(B) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is ***not*** a correct explanation of **(A)**.

(C) **(A)** is true but **(R)** is false.

(D) **(A)** is false but **(R)** is true.

38. ***Assertion (A)*** : Pramā is defined as "experience of the object as it is".

Reason (R) : There is structural correspondence between object and knowledge.

39. ***Assertion (A)*** : A thing is momentary.

Reason (R) : A thing is causally efficient.

40. ***Assertion (A)*** : According to the logical positivist, anything is true if its meaning could be verified.

Reason (R) : Metaphysics is meaningful.

41. ***Assertion (A)*** : A thing is suabhāva - s'ūnya .

Reason (R) : A thing is pratītyasamutpanna .

42. ***Assertion (A)*** : Plato advocates that 'The Good' is the highest reality.

Reason (R) : Plato says that the soul is tripartite.

43. ***Choose the correct sequence of triple process of evolution according to Sri Aurobindo :***

(A) Widening, Heightening, Integration

(B) Heightening, Widening, Integration

(C) Integration, Heightening, Widening

(D) Heightening, Integration, Widening

निर्देश :

निम्नलिखित प्रश्नांशों 38–42 में दो वक्तव्य हैं। एक को ***कथन (A)*** *और दूसरे को* ***कारण (R)*** *कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानी पूर्वक परीक्षण करना है और निर्णय करना है कि क्या* ***कथन (A)*** *तथा* ***कारण (R)*** *पृथक्-पृथक् सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या, कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नांशों का उत्तर नीचे दिये हुए कूट की सहायता से चुनिये और अपने उत्तर पत्रक में तदनुसार अंकित कीजिये।*

कूट :

(A) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)**, **(A)** का सही स्पष्टीकरण है।

(B) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं, किन्तु **(R)**, **(A)** का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(C) **(A)** सही है, किन्तु **(R)** गलत है।

(D) **(A)** गलत है, किन्तु **(R)** सही है।

38. **कथन *(A)*** : यथार्थानुभवः प्रमा।

कारण *(R)* : प्रमा और वस्तु में संरचनात्मक अनुरूपता होती है।

39. **कथन *(A)*** : वस्तु क्षणिक है।

कारण *(R)* : वस्तु अर्थक्रियासमर्थ है।

40. **कथन *(A)*** : तार्किक प्रत्यक्षवादी के अनुसार, कुछ भी सत्य है यदि उसके अर्थ का सत्यापन किया जा सकता है।

कारण *(R)* : तत्त्वमीमांसा अर्थपूर्ण होती है।

41. **कथन *(A)*** : वस्तु स्वभावशून्य है।

कारण *(R)* : वस्तु प्रतीत्यसमुत्पन्न है।

42. **कथन *(A)*** : प्लेटो प्रतिपादित करते हैं कि 'परमशुभ' परमार्थिक सत् है।

कारण *(R)* : प्लेटो कहता है कि आत्मा त्रैविध्य है।

43. श्री अरविन्द के अनुसार विकास की त्रिविध का सही क्रम है :

(A) विस्तारण, उन्नयन, समाकलन

(B) उन्नयन, विस्तारण, समाकलन

(C) समाकलन, उन्नयन, विस्तारण

(D) उन्नयन, समाकलन, विस्तारण

44. ***Choose the correct sequence :***

(A) Tṛṣṇā, upādāna, bhava, jāti (B) Avidyā, vijñāna, nāmarūpa, sadāyatan

(C) Vedanā, spars'a, trsnā, upādāna (D) Bhava, vedanā, jāti, jarāmaraṇa

45. Arrange the correct sequence of the books using the code given below :

(i) Ethics

(ii) Varieties of Religious experience

(iii) The Republic

(iv) A treatise on human nature

Code :

(A) (i), (iii), (iv), (ii) (B) (ii), (i), (iii), (iv)

(C) (i), (iii), (ii), (iv) (D) (iii), (i), (iv), (ii)

Read the following passage and answer the questions 46 to 50 :

Just as 'beautiful' points the way for aesthetics and 'good' for ethics, so do words like 'true' for logic. All sciences have truth as their goal; but logic is also concerned with it in a quite different way: logic has much the same relation to truth as physics has to weight or heat. To discover truths is the task of all sciences; it falls to logic to discern the laws of truth. The word 'law' is used in two senses. When we speak of moral or civil laws we mean prescriptions, which ought to be obeyed but with which actual occurrences are not always in conformity. Laws of nature are general features of what happens in nature, and occurrences in nature are always in accordance with them. It is rather in this sense that I speak of laws of truth. Here of course it is not a matter of what happens but of what is. From the laws of truth there follow prescriptions about asserting, thinking, judging, inferring. And we may very well speak of laws of thought in this way too. But there is at once a danger here of confusing different things. People may very well interpret the expression 'law of thought, by analogy with 'law of nature'

44. सही क्रम का चयन करें :

(A) तृष्णा, उपादान, भव, जाति
(B) अविद्या, विज्ञान, नामरूप, षडायतन
(C) वेदना, स्पर्श, तृष्णा, उपादान
(D) भव, वेदना, जाति, जरामरण

45. निम्नलिखित कृतियों को उनकी रचना किये जाने के वर्ष के क्रम में रखें, नीचे दिये कूट संकेतों का उपयोग करें :

(i) एथिक्स
(ii) वेराइटीस् ऑफ रिलीजियस एक्सपीरियंस
(iii) दी रिपब्लिक
(iv) ए ट्रीटाइस् ऑन ह्यूमन नेचर

कूट :

(A) (i), (iii), (iv), (ii)
(B) (ii), (i), (iii), (iv)
(C) (i), (iii), (ii), (iv)
(D) (iii), (i), (iv), (ii)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 46 से 50 के उत्तर दीजिये :

जिस प्रकार 'सुन्दर' शब्द सौन्दर्यशास्त्र का संकेत करता है और 'शुभ' नीतिशास्त्र का, उसी प्रकार 'सत्य' तर्कशास्त्र का संकेत करता है। सभी विज्ञानों का लक्ष्य सत्य होता है, परन्तु तर्कशास्त्र इससे सर्वथा भिन्न प्रकार से संबंधित है। तर्कशास्त्र का सत्य से वैसा ही संबन्ध है जैसा भौतिकशास्त्र का वजन एवं ऊष्मा से होता है। सत्य की खोज करना सभी विज्ञानों का कार्य होता है। परन्तु सत्य के नियमों की पहचान करना तर्कशास्त्र का कार्य है। 'नियम' शब्द का प्रयोग दो अर्थों में किया जाता है। जब हम नैतिक या नागरिक नियमों की बात करते हैं तब हमारा मतलब निर्देश से होता है जिनका पालन किया जाना चाहिये। परन्तु उनका वास्तविक पालन तदनुरूप सदैव नहीं होता है। जो कुछ प्रकृति में घटता है उसकी सामान्य विशेषतायें ही प्रकृति के नियम हैं और प्रकृति में जो घटनायें घटित होती हैं वे उसके अनुरूप होती है। इस सन्दर्भ में वस्तुत: यह प्रश्न नहीं है कि 'क्या घटता है', बल्कि 'क्या है'। सत्य के नियमों से कथन करने, चिन्तन करने, न्याय करने तथा अनुमान करने जैसी प्रक्रिया से संबंधित निर्देश नि:सृत होते हैं। परन्तु इसके साथ ही यहाँ विभिन्न बातों के संभ्रमित करने का संकट भी है। लोग

and then have in mind general features of thinking as a mental occurrence. A law of thought in this sense would be a psychological law. And so they might come to believe that logic deals with the mental process of thinking and with the psychological laws in accordance with which this takes place. That would be misunderstanding the task of logic, for truth has not here been given its proper place.

– Wittgenstein.

46. The word 'law' is used as prescription when we use it in the sense of :

(A) Moral law only (B) Civic law only

(C) Both (A) and (B) (D) Law of Nature

47. According to the author, truth is the goal of :

(A) Major sciences (B) All sciences

(C) Logic only (D) The Supreme Court of a Country

48. The distinction between laws of truth and laws of nature lies in :

(A) Their goal (B) Their means

(C) Both (A) and (B) (D) Neither (A) nor (B)

49. The law dealing with the mental process of thinking is known as :

(A) Psychological law (B) Law of thought

(C) Law of nature (D) None of the above

50. The task of Logic according to the author is :

(A) Discernment of laws of truth

(B) Explanation of inferencial process

(C) Analysis of mental process of thinking

(D) Framing of arguments

- o O o -

नैसर्गिक ढंग से 'विचार के नियम' की अभिव्यक्ति की व्याख्या 'प्रकृति के नियम' के साथ तुलना करके कर सकते हैं और तब वे अपने मस्तिष्क में चिन्तन की सामान्य विशेषताओं को एक मानसिक घटना के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। इस अर्थ में चिन्तन का कोई नियम मनोवैज्ञानिक नियम होगा। तब वे यह विश्वास करने लगेंगे कि तर्कशास्त्र चिन्तन की मानसिक प्रक्रिया और मनोवैज्ञानिक नियम जिसके अनुसार यह घटित होता है, के साथ संबंधित है। यह तर्कशास्त्र के कार्य के विषय में एक भ्रामक दृष्टिकोण होगा क्योंकि सत्य को यहाँ पर उसका उचित स्थान नहीं दिया गया है।

- विटगन्स्टाइन

46. नियम शब्द का प्रयोग निर्देश के रूप में तब होता है जब इसका प्रयोग हम निम्नलिखित भाव में करते हैं :

(A) केवल नैतिक नियम (B) केवल नागरिक नियम

(C) दोनों (A) एवं (B) (D) प्राकृतिक नियम

47. लेखक के अनुसार निम्नलिखित में सत्य लक्ष्य है :

(A) प्रमुख विज्ञान (B) सभी विज्ञान

(C) केवल तर्कशास्त्र (D) किसी देश का सर्वोच्च न्यायालय

48. सत्य के नियम और प्रकृति के नियम के बीच भेद निम्नलिखित में पाया जाता है :

(A) उनके लक्ष्य (B) उनके साधन

(C) दोनों (A) एवं (B) (D) न (A), न (B)

49. जो नियम चिन्तन की मानसिक प्रक्रिया से संबंधित होता है उसे निम्न नाम से जानते हैं :

(A) मनोवैज्ञानिक नियम (B) वैचारिक नियम

(C) प्राकृतिक नियम (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

50. लेखक के अनुसार तर्कशास्त्र का निम्न कार्य है :

(A) सत्य के नियम की पहचान

(B) आनुमानिक प्रक्रिया की व्याख्या

(C) विचार की मानसिक प्रक्रिया का विश्लेषण

(D) तर्क की संरचना

- o O o -

Space For Rough Work